SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

हिन्दी विभाग

पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर ऋषिकेश , श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय

BOS COMMITTEE

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation	Signature
01	PROF. D.C. GOSWAMI (CHAIRMAN)	PROFESSOR	GEOGRAPHY	SHRIDEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY	14.6.25
02	PROF. SUCHITRA MALIK (MEMBER)	PROFESSOR	HINDI	GURUKUL KANGRI UNIVERSITY	14/06/2025
03	PROF. KALPANA PANT (MEMBER)	PROFESSOR	HINDI	SHRIDEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY	14.6.25
04	PROF. ADHEER KUMAR (MEMBER)	PROFESSOR	HINDI	SHRIDEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY	14.06.2025
05	PROF. MUKTINATH YADAV (HOD & CONVENOR)	PROFESSOR	HINDI	SHRIDEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY	14-6-2025

CURRICULUM DESIGN COMMITTEE, UTTARAKHAND

S.N.	Name
1.	Prof. D.S. Rawat, Vice Chancellor, Kumaun University - Chairman
2.	Prof. N.K. Joshi, Vice Chancellor, Sri Dev Suman Uttarakhand University - Member
3.	Prof. O.P.S. Negi, Vice Chancellor, Uttarakhand Open University - Member
4.	Prof. Surekha Dangwal, Vice Chancellor, Doon University, Dehradun - Member
5.	Prof. Satpal Singh Bisht, Vice Chancellor, S.S.J. University, Almora - Member
6.	Prof. M.S.M. Rawat, Advisor, Rashtriya Uchchatarshiksha Abhiyan Uttarakhand - Member
7.	Prof. K.D. Purohit, Advisor, Rashtriya Uchchatar shiksha Abhiyan Uttarakhand - Member

वर्ष	सत्रार्द्ध	प्रश्नपत्रों की सूची	कोर्स	क्रेडिट
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं शासकीय पत्र लेखन	SEC-1	2
	द्वितीय सत्रार्द्ध	हिन्दी में भाषा कम्प्यूटिंग एवं संचार	SEC 2	2
द्वितीय वर्ष	तृतीय सत्रार्द्ध	रचनात्मक लेखन का परिचय	SEC 3	2
	चतुर्थ सत्रार्द्ध	सोशल मीडिया लेखन	SEC 4	2
तृतीय वर्ष	पंचम सत्रार्द्ध	पटकथा लेखन	SEC 5	2
	षष्ठ सत्रार्द्ध	गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति	SEC6	2

SEMESTER - I

SKILL ENHANCEMENT COURSE : प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं शासकीय पत्र लेखन

TEACHING HOURS – 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
SEC : प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं शासकीय पत्र लेखन	2	1	0	1		Class 12

Bachelor of in Multidisciplinary Study			
Programme: – Hindi		Year: I	Semester: I Paper- SEC
Course Code: SEC 1	Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं शासकीय पत्र-लेखन		
Learning Objectives :			

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की मूल बातों को समझना, जैसे पत्र लेखन, रिपोर्ट लेखन और प्रस्ताव लेखन।
2. शासकीय पत्र लेखन की मूल बातों को समझना, जैसे पत्र का प्रारूप, पत्र की भाषा और पत्र का उद्देश्य।
3. पत्र लेखन के प्रकार: पत्र लेखन के प्रकारों को समझना, जैसे औपचारिक पत्र, अनौपचारिक पत्र और व्यावसायिक पत्र।
4. पत्र लेखन के लिए आवश्यक कौशल: पत्र लेखन के लिए आवश्यक कौशलों को समझना, जैसे कि स्पष्टता, संक्षिप्तता और प्रभावशीलता।

Learning Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

2.शिक्षार्थी सामान्य कार्यालयी प्रयोजनों यथा कार्यालयी पत्राचार, प्रारूपण, टिप्पण आदि में हिन्दी के प्रयोग का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ, रूप, विशेषताएं, प्रयुक्तियाँ, महत्व, उपयोगिता, सीमाएँ और सम्भावनाएँ**	12
Unit II	**पत्राचार : शासकीय पत्र, कार्यालय-ज्ञापन, ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, पृष्ठांकन, अधिसूचना, अनुस्मारक, प्रेस विज्ञप्ति, सूचना**	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	06

SUGGESTED READINGS

1.प्रयोजनमूलक हिन्दी :विविध सन्दर्भ – प्रो.निर्मला ढैला बोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी

2. हिंदी कार्मिकी (प्रयोजनमूलक हिंदी) - डॉ. शंकरक्षेम एवं डॉ. कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली

3. प्रयोजनमूलक हिंदी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली,

4. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन

5. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. रमाप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली

6. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन- डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन

PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES

1. शासकीय/अशासकीय कार्यालयों में आउटसोर्स कर्मी के रूप में सम्भावना।

2. शासकीय/ अशासकीय कार्यालयों में कार्य करने हेतु हिंदी शासकीय पत्राचार अनिवार्य होता है, अतः स्थायी-अस्थायी शासकीय नियुक्ति हेतु कौशल में संवर्द्धन तथा सम्भावना ।

SEMESTER - II

SKILL ENHANCEMENT COURSE : हिन्दी में भाषा कंम्प्यूटिंग एवं संचार

Course Title हिन्दी में भाषा कंम्प्यूटिंग एवं संचार	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
SEC :	2	1	0	1		Class 12

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study		
Programme: – Hindi	Year: I	Semester:II Paper-SEC
Course Code: SEC 2	Course Title: हिन्दी में भाषा कम्प्यूटिंग एवं संचार	

Learning Objectives :

1. भाषा कम्प्यूटिंग की मूल वातों को समझना ।
2. कंप्यूटर पर भाषा का उपयोग करना और इसके लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर का उपयोग करना।
3. भाषा संचार की मूल वातों को समझना, जैसे कि संचार के मॉडल, संचार के तरीके और संचार के बाधाएँ।
4. भाषा कम्प्यूटिंग और संचार के अनुप्रयोगों को समझना, जैसे कि भाषा अनुवाद, भाषा संशोधन और भाषा विश्लेषण।

Learning Outcomes:

1.शिक्षार्थी हिन्दी भाषा की कम्प्यूटिंग यथा टाइपिंग, फांट प्रबन्धन, वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग का ज्ञान प्राप्त करता है।

2.शिक्षार्थी मीडिया यथा प्रेस, रेडियो, टी.वी. वीडियो, इंटरनेट आदि के क्षेत्र में लेखन-सम्पादन सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त करता है।

3. शिक्षार्थी जनसंचार माध्यमों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	भाषा कम्प्यूटिंग : डेटा, वर्ड प्रोसेसिंग, फांट प्रबंधन, यूनिकोड हिन्दी फांट	12
Unit II	संचार : स्वरूप, कार्यक्षेत्र व प्रकार, जनसंचार और भाषा	12
	Class Room Lectures (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	06

Suggested Readings

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी :विविध सन्दर्भ–प्रो.निर्मला ढैला बोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी
2. हिंदी कार्मिकी (प्रयोजनमूलक हिंदी)- डॉ. शंकरक्षेम एवं डॉ. कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली,
4. प्रयोजनमूलक हिंदी:सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
5. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. रमाप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली
6. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन- डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन
7. कामकाजी हिंदी- डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन दिल्ली

PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES

1. हिंदी यूनिकोड टाइपिंग में स्वरोजगार।
2. कार्यालयों में हिंदी कम्पयूटर टाइपिस्ट आउटसोर्स कर्मी के रूप में सम्भावना।
3. संचार माध्यमों यथा वेब पोर्टल आदि में सम्भावनाएं।

SEMESTER - III

SKILL ENHANCEMENT COURSE : रचनात्मक लेखन का परिचय

Course Code/ Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
SEC[3] : रचनात्मक लेखन का परिचय	2	1	0	1		Class 12

LEARNING OBJECTIVES:

1. रचनात्मक लेखन की अवधारणा और स्वरूप को स्पष्ट करना
2. किसी रचना में भाव व विचार के रूपांतरण की प्रक्रिया का बोध कराना
3. साहित्य एवं पत्रकारिता जैसे अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्रों का परिचय कराना
4. विज्ञापन के बारे में परिचय कराना

LEARNING OUTCOMES:

1. शिक्षार्थी रचनात्मक लेखन का ज्ञान अर्जित करता है।
2. शिक्षार्थी अभिव्यक्ति के विविध रूपों से परिचित होता है।
3. शिक्षार्थी ˙ गद्य की विविध अभिव्यक्तियों का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी का विज्ञापन के विविध पक्षों से परिचय होता है।

Units	Topic	No. of Lectures
I	**रचनात्मक लेखन : अवधारणा , स्वरूप**	06
II	**भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया**	06
III	**विविध अभिव्यक्ति–क्षेत्र : साहित्य , पत्रकारिता**	06
IV	**विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियां**	06
	Class Room Lectures Tutorials] Assignments, Seminars, Group Discussion	24 06 Total= 30

RECOMMENDED READINGS

1– रचनात्मक लेखन : सम्पादक–रमेश गौतम
2– रचनात्मक लेखन : प्रतिभा व प्रवीन भारद्वाज
5. 3– जनसंचार और रचनात्मक लेखन : आलोक रंजन पाण्डेय व हर्षित राज श्रीवास्तव
4– हिन्दी पत्रकारिता– विविध आयाम : वेद प्रकाश वैदिक
5– हिन्दी पत्रकारिता – सिद्धांन्त और स्वरूप : सविता चढ्ढा

PROBEBLE JOB ASPECTS IN INDUSTRIES

- रचनाकार
- पत्रकार
- विज्ञापन लेखक
- कन्टेन्ट क्रिएटर

SEMESTER – IV

SKILL ENHANCEMENT COURSE : सोशल मीडिया लेखन

Course Code/ Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
SEC[4] : सोशल मीडिया लेखन	2	1	0	1		Nil

LEARNING OBJECTIVES:

1. सोशल मीडिया के स्वरूप,कार्य एवं प्रकार से परिचय कराना
2. सोशल मीडिया के महत्व को उजागर करना
3. सोशल मीडिया पर लेखन हेतु महत्वपूर्ण बिन्दु प्रस्तुत करना
4. ट्रोलिंग की समस्या के विविध पक्षों से अवगत कराना

LEARNING OUTCOMES:

1. शिक्षार्थी सोशल मीडिया का ज्ञान अर्जित करता है।
2. शिक्षार्थी सोशल मीडिया के व्यवसायिक महत्व एवं दुश्प्रभावों से परिचित होता है।
3. शिक्षार्थी ब्लॉगिंग के बारे में ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी ट्रोलिंग के विविध पक्षों से परिचय होता है।
5. शिक्षार्थी का रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है।

Units	Topic	No. of Lectures
I	सोशल मीडिया : स्वरूप , कार्य, प्रकार	06
II	सोशल मीडिया : व्यवसायिक महत्व, दुष्प्रभाव	06
III	सोशल मीडिया लेखन हेतु महत्वपूर्ण बिन्दु, सुझाव, ब्लॉगिंग,	06
IV	ट्रोलिंग, समस्याएं , समाधान	06
	Class Room Lectures Tutorials] Assignments, Seminars, Group Discussion	24 06 Total= 30

RECOMMENDED READINGS

1– सोशल मीडिया इन इंडिया : इसूज एण्ड चैलेन्जेज : फ्रैन्सिस फिलिप बारक्ले
2– सोशल मीडिया मारकेटिंग : शिवसिंह
3– बनिए सोशल मीडिया मिलियनेयर : दीपक बजाज
4– रिमोट – द सोशल मीडिया वॉर : हरीश पपनै
5– द आर्ट ऑफ सोशल मीडिया : गय कावासाकी
6. सोशल मीडिया और हिन्दी : डॉ0 कल्पना गवली

PROBEBLE JOB ASPECTS IN INDUSTRIES

1. सोशल मीडिया मैनेजर
2. कंटेन्ट क्रिएटर
3. सोशल मीडिया स्ट्रेटजिस्ट
4. सोशल मीडिया एनलिस्ट

SEMESTER – V

SKILL ENHANCEMENT COURSE : पटकथा लेखन

Course Code/ Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
SEC [5]: पटकथा लेखन	**2**	**1**	**0**	**1**		**Nil**

LEARNING OBJECTIVES:

1. पटकथा के स्वरूप, प्रकार आदि का परिचय प्रदान करना
2. पटकथा से संबन्धित विविध शब्दावलियों का ज्ञान कराना
3. टेलिविजन तथा फिल्म हेतु पटकथा लेखन की प्रक्रिया का ज्ञान कराना
4. पटकथा युक्त वेबसीरीज, सोपऑपेरा आदि के बारे में विस्तृत बोध कराना

LEARNING OUTCOMES:

1. शक्षार्थी पटकथा लेखन तथा उसके तकनीकी शब्दों से परिचित होता है।
2. शिक्षार्थी टेलीविजन तथा फिल्म के लिए पटकथा लेखन से परिचित होता है।
3. शिक्षार्थी के अन्दर अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है।
4. शिक्षार्थी का रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है।

Units	Topic	No. of Lectures
I	**पटकथा : स्वरूप, पटकथा के तत्व, प्रकार**	06
II	**पटकथा की शब्दावली : आइडिया, प्रीमाइज, टू मिनट मूवी, ट्रीटमेन्ट,स्टेप आउटलाइन, आर्कटाइप, स्टीरियोटाइप, तीन अंक(सेटअप, टकराहट, समाधान)**	06
III	**टेलीविजन तथा फिल्म के लिए पटकथा लेखन**	06
IV	**वेबसीरीज, सोप ऑपेरा, वृत्तचित्र, डाक्यूड्रामा**	06
	Class Room Lectures Tutorials] Assignments, Seminars, Group Discussion	24 06 Total= 30

RECOMMENDED READINGS

1— पटकथा कैसे लिखें : राजेन्द्र पांडेय, वाणी प्रकाशन दिल्ली 2015।

2— पटकथा लेखन : एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2000।

3— कथा—पटकथा : मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन दिल्ली 2014।

4— आईडिया से पर्दे तक : रामकुमार सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2021।

PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES

- धारावाहिक पटकथा लेखक
- फिल्म पटकथा लेखक
- वेबसीरीज, सोप ऑपेरा पटकथा लेखक
- वृत्तचित्र, डाक्यूड्रामा पटकथा लेखक

SEMESTER – VI

SKILL ENHANCEMENT COURSE : गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति

Course Code/ Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
SEC[6] : गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति	2	1	0	1		Nil

LEARNING OBJECTIVES:

1. भाषा और संस्कृति के संबन्धों पर प्रकाश डालना
2. गढ़वाली भाषा के परिचय के साथ गढ़वाली के विविध रूपों से परिचित कराना
3. गढ़वाल की भौगोलिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचय कराना
4. गढ़वाली लोकगीत, लोकगाथा, लोकसंगीत,लोकनृत्य आदि के बारे में अध्ययन
5. सांस्कृतिक क्षरण की समस्या का अध्ययन एवं संरक्षण के उपाय

LEARNING OUTCOMES:

1. शिक्षार्थी गढ़वाली भाषा और संस्कृति का ज्ञान अर्जित करता है।
2. शिक्षार्थी स्थानीय परंपराओं और रिवाजों से परिचित होता है।
3. शिक्षार्थी गढ़वाली भाषा के उद्भव व उसके विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी गढ़वाली संस्कृति के विविध पक्षों से परिचय होता है।
5. शिक्षार्थी का गढ़वाल में रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है।

Units	Topic	No. of Lectures
I	गढ़वाली भाषा का परिचय, विकास, विविध रूप	06
II	गढ़वालः भौगोलिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	06
III	गढ़वाली लोकगीत, लोकगाथा, लोकसंगीत,लोकनृत्य आदि	06
IV	सांस्कृतिक क्षरण की समस्या एवं संरक्षण के उपाय	06
	Class Room Lectures Tutorials] Assignments, Seminars, Group Discussion	24 06 Total= 30

RECOMMENDED READINGS

1. गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति : डॉ0 मुक्तिनाथ यादव
2. हिमोत्कर्ष – डॉ0 शिवानंद नौटियाल
3. हिमांचल दर्शन – डॉ0 शिवानंद नौटियाल
4. उत्तराखण्ड : संस्कृति , साहित्य और पर्यटन – डॉ0 हरिमोहन एवं डॉ0 शिवप्रसाद नैथानी
5. भारतीय संस्कृति का संदर्भ– मध्य हिमालय – डॉ0 गोविन्द चातक
6. गढ़वाली लोकगाथाएं– डॉ0 गोविन्द चातक
7. गढ़वाली लोकगीत विविधा–डॉ0 गोविन्द चातक

PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES

- ट्रान्सलेटर
- लैंग्वेज टीचर
- लैंग्वेज एनालिस्ट
- टूरिस्ट गाइड
- ट्रवेल एडवाजर